PU Dept. organized One Day Workshop on "Implementation Challenges of Koha, RFID Technology & LMS Integration"

Date: 28th February, 2020

The Department of Library and Information Science, Panjab University, Chandigarh organized one-day workshop on "Implementation Challenges of Koha, RFID Technology & LMS Integration" for library professionals on 28th February, 2020 at ICSSR Complex, Panjab University, Chandigarh. Prof. Preeti Mahajan, Chairperson, DLIS, Panjab University welcomed the dignitaries and shared the vision and mission of the department and also introduced the theme of the workshop. In the inaugural session, Dr. K.P. Singh (DLIS, University of Delhi, Delhi) highlighted the role of ICT in general and RFID Technology specifically. The presidential address was delivered by Prof. Ronki Ram, Dean, Faculty of Arts, Panjab University. Dr. Projes Roy, Dr. Seema Parmar, Mr. Parveen Kumar, Mr. Tushar Popet and Mr. Dhaval Kotecha were the resource persons of the workshop. More than 110 delegates from different states of the country participated in the workshop.







(From left) PU department of library and information science chairperson Preeti Mahajan, DU professor KP Singh and PU dean faculty of arts Ronki Ram at ICSSR in Chandigarh on Friday. н⊺ РНОТО लाइब्रेरी क्षेत्र में पेश आ रही चुनोतियों को लेकर कार्यशाला में मीजूद डॉ .केपी सिंह ⊚जागरण



Workshop for library professionals at PU

CHANDIGARH: The department of library and information science (DLIS), Paniab University, organised a one-day workshop for library professionals at Indian Council For Social Science Research (ICSSR), Sector 14, on Fridow

Friday. The workshop was based on implementation of Radio-frequency identification (RFID) technology and challenges of using open-source integrated library systems. During the inaugural session, KP Singh from DLIS, University of Delhi, spoke on the role of information

and communication technoland communication technol-ogy. He also shed light on the importance of addressing the compatibility issues of RFID withintegrated library management system. Singh explained the role of human aspect in man-aging innovative technologies that are emerging in the current era. The presidential address was delivered by Ronki Ram. dean faculty of arts, PU. Preeti Mahajan, chairperson, DLIS, shared the vision and mission of the department. More than 110 delegates participated in the workshop.

लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स के लिए भी होती हैं चुनौतियां : डॉ. केपी सिंह

जासं, चंडीगढ़ : डिपार्टमेंट ऑफ लाइब्रेरी पंड इन्फॉर्मेशन साईस (पीयू) की ओर से शुक्रवार को लाइब्रेरी क्षेत्र में पेश आ रही चुनौतियों को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया। कर्यशाला में आरएफआइडी टेक्नोलॉजी और कोहा आश्वालपम्परम की चुनौतियों पर लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स को जानकारी दी गई। उद्घाटन सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय के डीएलआइएस डॉ. केपी सिंह ने विशेष रूप से सूचना और संचार प्रौद्योगिकी, आरएफेआइडी प्रौद्योगिकी (आइसीटी) की भूमिका पर प्रकाश डाला। वहीं डॉ. सिंह ने इंटीग्रेटेड लाइब्रेरी मैनेजमेंट सिस्टम के साथ

आरएफआइडी के अनुकुल मुद्दों जोर दिया। उन्होंने ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर (ओएसएस), की उत्पत्ति और विकास का उदाहरण सबसे सामने पेश किया। डॉ. सिंह ने वर्तमान युग में उभर रही नवीन तकनीकों के प्रबंधन में पहलू की धूमिका के बारे में बताया। पीयू के डीन फैकल्टी ऑफ आर्ट्स प्रो. रॉकी राम ने पुस्तूकालयाँ को सशक्त बनाने में आइसीटी की भूमिका पर बात रखी। उन्होंने अपने विदेशों में पुस्तकालयों का उपयोग करने के अपने अनुभव को साझा किया। चेयरपर्सन डीएलआइएस, प्रो. प्रीति महाजन ने विभाग के दृष्टिकोण और मिशन को साझा किया।

ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਵੱਲੋਂ ਲਾਇਬ੍ਰੇਰੀ ਸਟਾਫ਼ ਲਈ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਲਗਾਈ

अप भेर अपरे जी जनतारोंनी भेज जंग भाग भेद भागों की कारतस्त्री भेड़ बंदा वान है प्रभावत से प्रस्ता वास्थित विकास (विदेशीत्व कारियोरी मेरेसनेट संग्यात बीजा। पुरु हे कार्ययोगिया सी विकास है। प्रभाव के किया के विदेश भागुओं पिए भागों जो से बुधिया व सामी की भी कार्यक की मेरेस ਕਿਲੇਟਮ) ਦਿਸ਼ 'ਤੇ ਇੱਕ ਮਿਲ੍ਹਾਰ ਵਿਚ ਆਦਾ ਸਾਣਾ ਦਾ ਭੂਜਰਾ ਤ ਆਈ ਸੀ ਲੇਜ ਲੇਕਾਲਾਤ ਰਿਮੀਲਾਤ ਕੰਪਰੇਸ਼ਨ ਇਲਾਵਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਦੇਸ਼ੀ ਲਾਇਬ੍ਰੇਗੀਆਂ ਦੇ ਵਿਖੇ ਇੱਕ ਦਿਨਾ ਵਰਕਵਾਪ ਕਰਵਾਈ ਕਈ। ਜ਼ਾਜਕੇ ਦੀ ਸਾਰੇ ਕੀਤੇ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਲਾਇਬ੍ਰੇਗੀਆ ਉਦਵਾਟਨੀ ਵਿਸ਼ਨ ਦੌਰਾਨ ਦਿੱਤੀ ਯੂਨੀਵਰਜਿਵੀਂ ਵਿਚ ਉਦ ਕੋਟੀ ਦੀ ਰਕਨਾਜ਼ੋਜੀ ਵਰਗੇ ਜਾਂਦੀ पंजे क्षेत्र स्थितः। क्षाप्तरत के भी क्षीतः।

ਪੈਡੀਗੜ੍ਹ, 25 ਵਰਵਰੀ (ਸ਼ਰਮੀਡ ਲਿੰਘ ਮੈਤੂਵਾ ਦੇਂਡ ਵਿਚ ਆ ਰਹੀਆਂ ਜੋਸ਼ੀ ਰਕਨੀਆਂ ਮੈਤੀਟ-ਪੈਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਨਾਵਿਲ੍ਹੇਗੀ ਹੈ ਦਾ ਖੜ੍ਹੇਚੀ ਪ੍ਰਵੇਸ਼ਨ ਦੀ ਭੂਮਿਕਾ ਚਾਣੇ ਵਤੇ ਰੂਜਨਾ ਵਿਗਿਆਨ ਵਿਚਾਰ ਦੋਨਾਂ ਨਾਵਿਲ੍ਹੇਗੀ ਸਟਾਲ ਲਈ ਜ਼ਿੰਘਲੀ/ਨਟੰਡਨ ਚੈਨੇਜ਼ਿਜ਼ ਆਵ ਕੀਨ ਵੈਰਜਨੀ ਆਵ ਆਰਟਨ ਪ੍ਰੋਟੈਸਰ ਰੋਟਾਵੀ

पंजाब वि.वि. के पुस्तकालय एवं सूचना विभाग ने करवाई कार्यशाला ^र



मुख्यातिथि को सम्मानित करते हुए पंजाब युनिवर्सिटी के ही एल आई एस. की चेयरपर्सन प्रो. प्रीति महाजन व अन्य गणमान्य।

पुस्तकातम और मुक्तन विज्ञान विभाग द्वारा पुस्तकालय पेरेनमों के लिए भागन डीन कता संकार द्वारा दिया गया। पंजाब विश्वविद्यालय के प्री एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका विकय ीरको राम ने अर्द्ध सी.टी को पूमिका पर विवार-विमर्श के आराव कार्ववाहन की चुनोतियों 'आर.एफ.आई.डी. प्रौद्योपिकी' और 'कोहा पुस्तकालयों के समस्त बनाना, विदेशों में पुस्तकालयों के उनवेग और अर्द्ध एल एम एस 'पर अचारित रहा। इसका उद्घाटन डा के पी सिंह, साथ ही उन्होंने अपने अनुभव को साझा किया। पंजब वृश्विसी के ही एस आई एस., दिल्ली विश्वविद्यालय द्वार किया गया। हा. के.पी. ही एस आई एस. की चेव्यपतंत्र प्री. प्रीत महाबन ने आए हुए गणान मिंह ने विकास क्या से असरएक आई ही. प्रोद्योक्ति और आई सी ही. का स्वानत किया और डिपार्टमैंट के विवन व मिरान के बारे में विका की सूचना और संचार को धूमिका पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने ओपन साझै किए। वर्कशॉप में 110 से ऑधक डीलगेट्स ने भाग लिया।

चंडीगढ़, 28 फरवरी (अलीशा) : पंजाब विश्वविद्यालयं के सोसं सॉफ्टवेश को उसीत और विकास को जानकारी दी। अध्यक्षीय